200 199

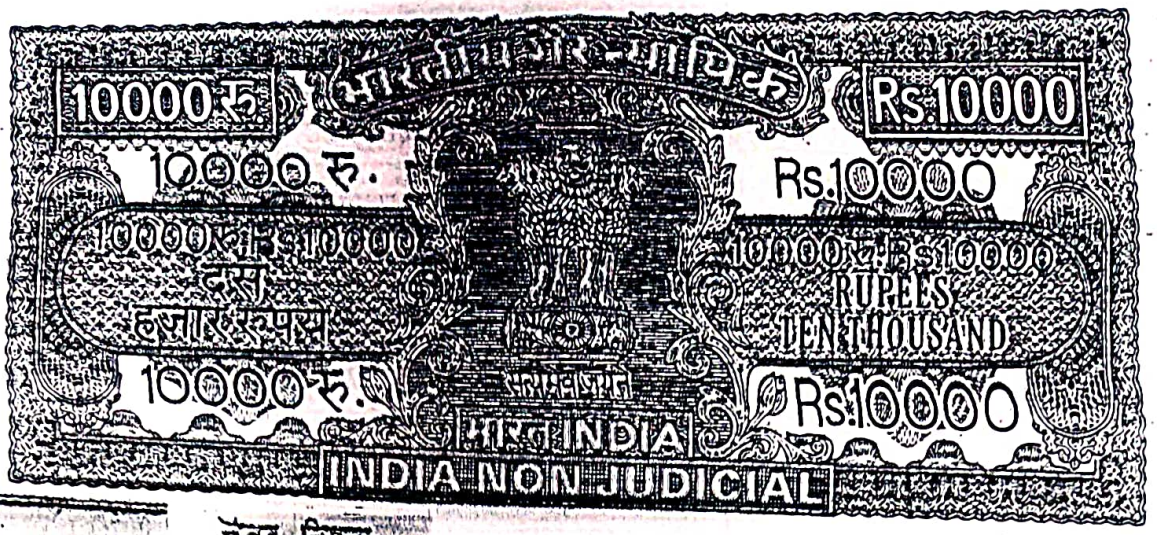

भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु. Rs.10000

दस हजार रुपये RUPEES TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

सांप्रदायिक सद्भावना COMMUNAL HARMONY

04AA 000491/10

16 I BDO Clerk

23 I A

23.2.10

23.2.10

॥1॥ लेख्यकारिणी:- श्रीमती हमीदा खातुन पति श्री गुलाम हुसैन जाति- मुसलमान, पेशा- गृहिणी, निवास ग्राम- कर्बला मोहल्ला बिरमित्रापुर, थाना- बिरमित्रापुर, जिला- सुन्दरगढ़ ॥उड़ीसा॥ के द्वारा नियुक्त आम करपरदाज क्रम संख्या 680 बुक IV 7 मेहरून निशा पति श्री मंजूर अहमद, जाति- मुसलमान, पेशा-गृहिणी, निवास ग्राम- कर्बला मोहल्ला बिरमित्रापुर, थाना-बिरमित्रापुर, जिला- सुन्दरगढ़ ॥उड़ीसा॥ हाल मोकाम खैरनटोली, थाना वो जिला- सिमडेगा ।

...... विक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 144/2010.

फॉर्म 60

Manzoor Ahmad S/o Late Haji Rustam Ali V. Khairantoli, Simdega P.S. + Dist Simdega Date 13/2/2010

ता. 13.2.2010

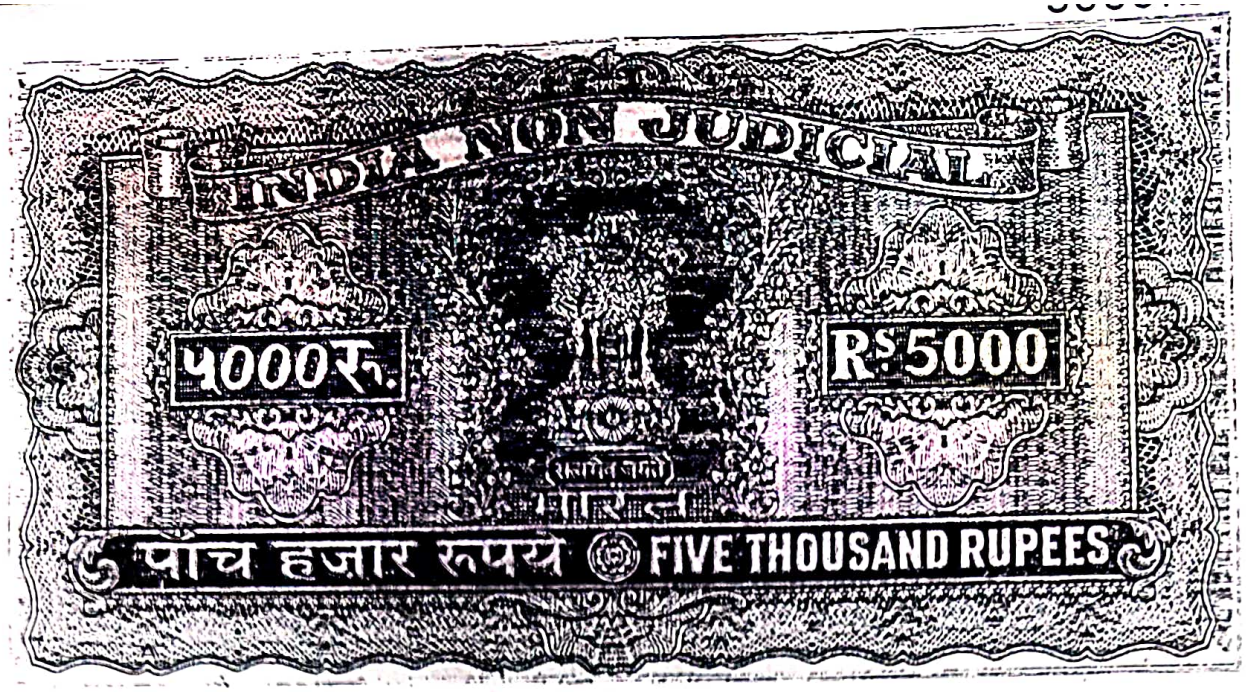

--2--

§2§ लेख्यधारी:- जाकिर खान पिता स्व0 हनीफ खान, जाति- पठान, पेशा- खेती वो व्यापार, निवास ग्राम- बसतपुर, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा §झारखण्ड§ ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 145 / 2010 -
फोर्म 60

§3§ लेख्यप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला बैता कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिए होता है ।

§4§ मूल्य:- मोबलिग चार लाख पच्चीस हजार रुपये अंके 4,25,000/- रुपये होता है । निर्धारित बाजार मूल्य 5,52,000/- रुपये ।

§5§ सम्पति:- एराजियात अन्दर मौजा- सिमडेगा खैरनटोली पश्चिमी, थाना नं0 116, थाना- सिमडेगा, सबडिविजन सिमडेगा वो जिला अवर निबंधन कार्यालय सिमडेगा, वो जिला- सिमडेगा का खाता नं0 30 §तीस§ प्लॉट नं0 1609 §सोलह सौ नौ§ रकबा 10 डिसमिल §दस डिसमिल§ यह जमीन व्यावसायिक है । ~~नहीं है/पूर्णतः/आवासीय/है~~ जिसपर किसी प्रकार का मकान या निर्माण नहीं है ।

जिसकी चौहद्दी:-
उत्तर:- इसी प्लॉट का अंश हाल खरीदगी,

Sheikh Tonicar Anwar
S/o Late Sheikh Sarfuddin
Vill. Birmitrapur
PS. Birmitrapur
Dt. Sundargarh Dt. 13/02/10

500Rs.

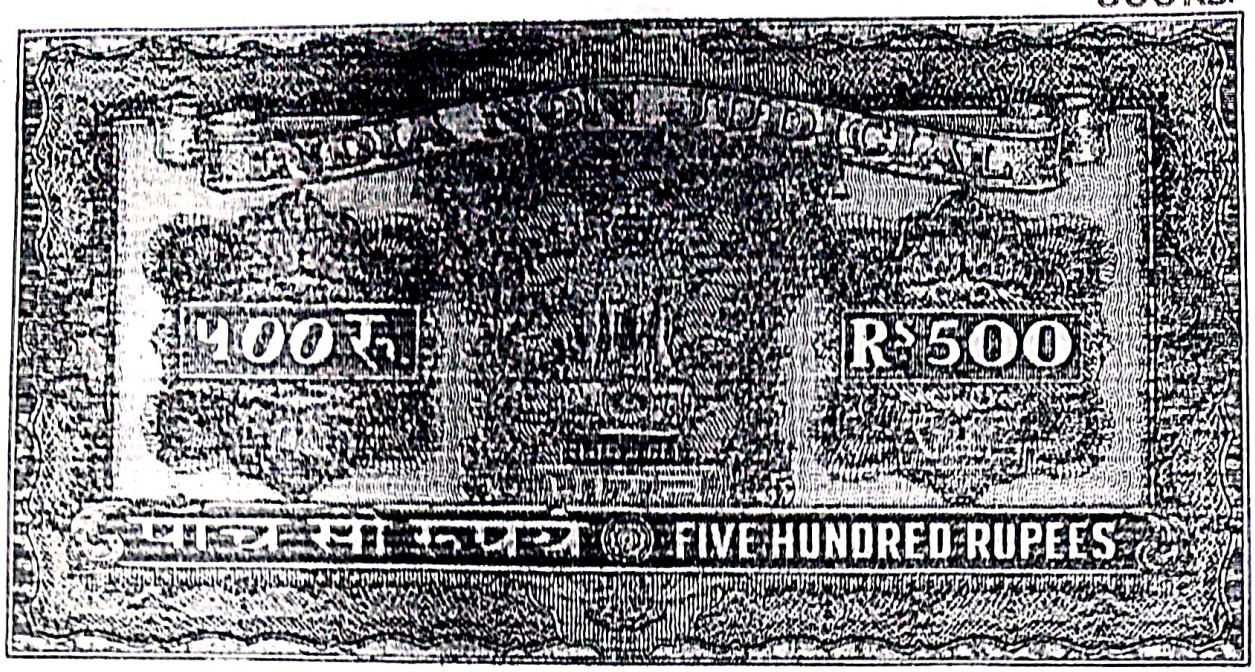

दक्षिण:- इसी प्लाॅट का अंश हाल खरीदगी,
पूरब :- मेन रोड एन.एच. 23,
पश्चिम:- इसी प्लाॅट का अंश टांड़ ।
मालगुजारी 10 पैसा {दस पैसा} अलावे सेस सलाना ।

{1} चूंकि मुझ लेख्यकारिणी को शादी एवं पक्का मकान बनाने हेतु रूपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे बगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेख्यधारी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार किया ।

{2} इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेची और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

{3} मैं प्रतिज्ञा करती हूँ कि बेची जानेवाली जमीन मेरे पिताजी की खरीदगी जमीन है जिसे मेरे पिताजी ने केवाला संख्या 74

ता. 13.2.2010

13/2/2010

500Rs.

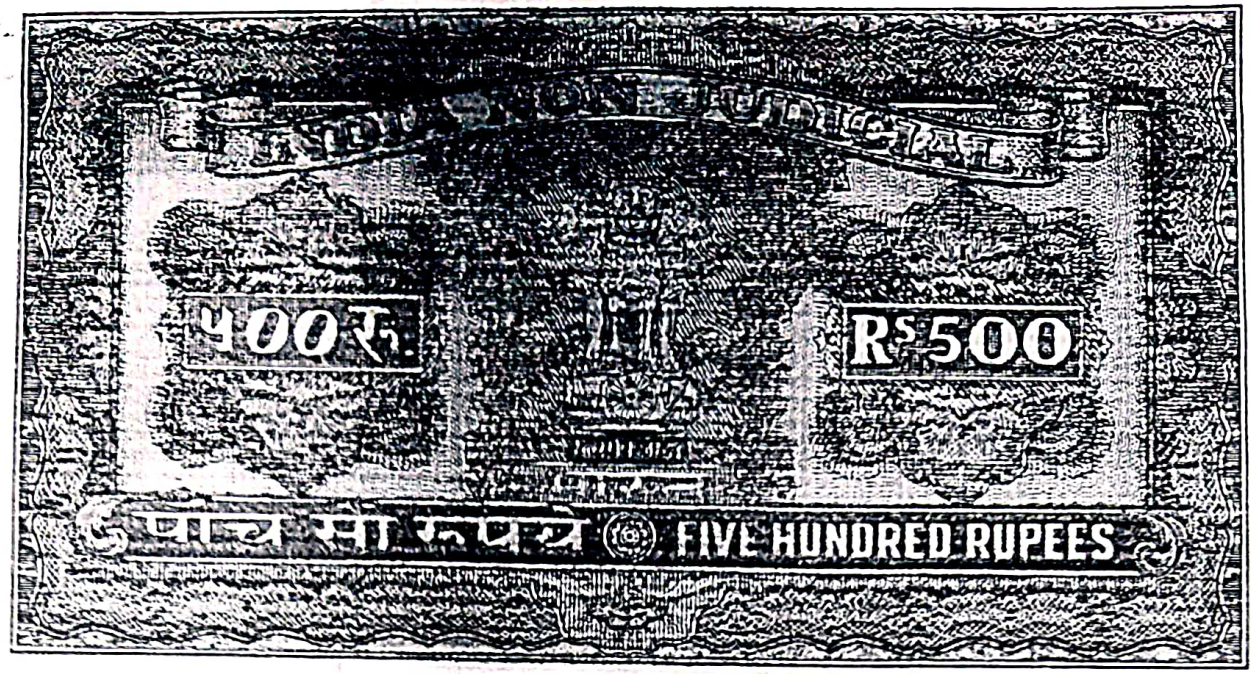

दिनांक 21·01·71 को खरीदे थे एवं मालगुजारी रसीद भी मेरे पिताजी सरफुल हक के नाम से कटती है । मेरे पिताजी का कोई पुत्र नहीं है । मेरे पिताजी के हमलोग सिर्फ दो बेटियां है, बिक्री की जानेवाली जमीन मेरे नीज हिस्से की है । इस जमीन से किसी दूसरों को कोई हकसरोकार नहीं है ।

13.2.2010

§4§ अवचाहिए कि लेख्यधारी अपनी जमीन पर काविज वो दखलकार होकर अपना क्षैसा फायदा का समझे अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजीरये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से व अदाय मालगुजारी के रसीदखास नाम से हासिल किया करें ।

§5§ इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

500Rs.

--५--

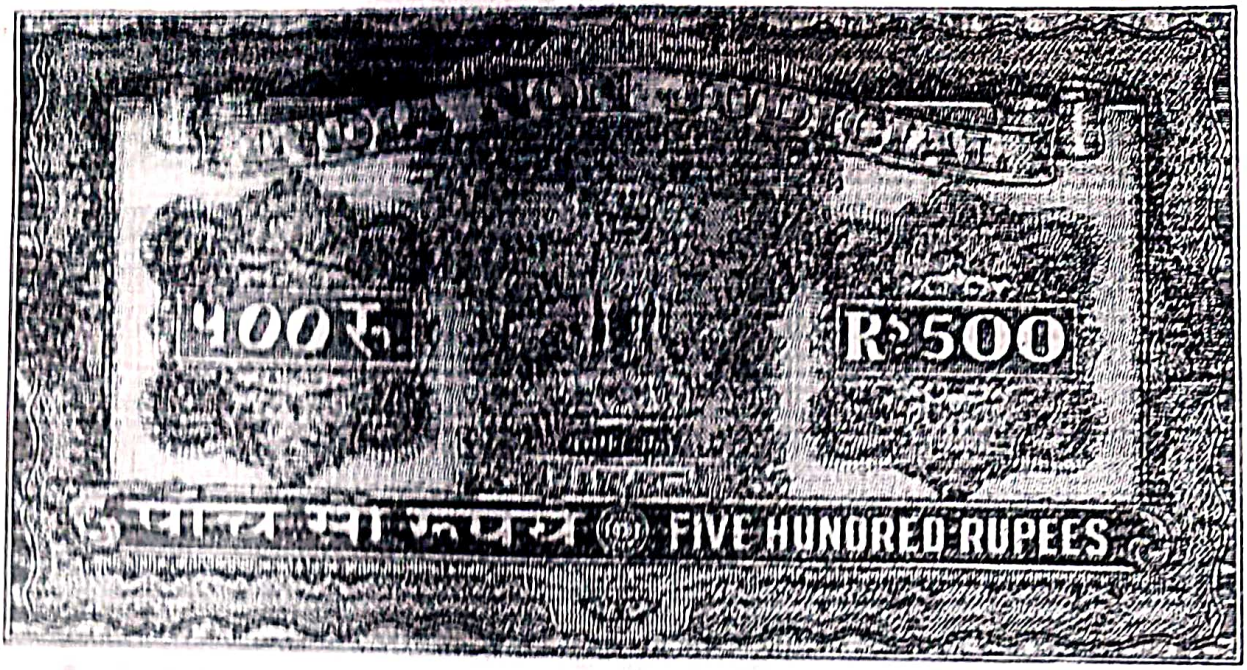

मै लेख्यकारिणी यह घोषणा करती हूँ कि विक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

कैबुल निशा
[illegible] सिंह
ता: 13.2.2010

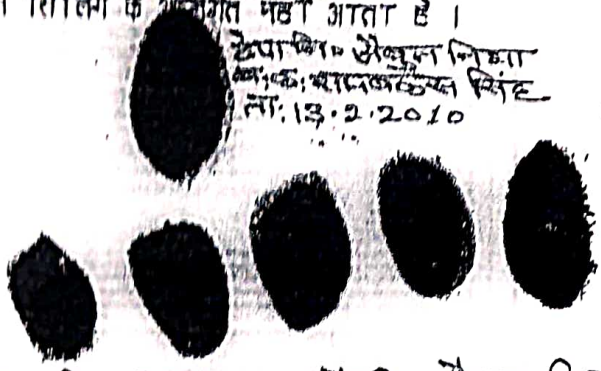

प्रमाणित किया जाता है कि कैबुल निशा के बांये हाथ का पाँचो अंगुलियों का छाप मेरे द्वारा लिया गया है।
Md. [illegible]
Advocate
13/02/10

कैबुल निशा
[illegible] सिंह
ता: 13.2.2010

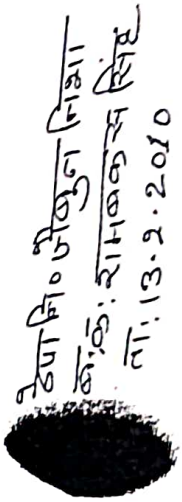

मै लेख्यधारी यह घोषणा करता हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

जहाँगीर खाँ
13.2.2010

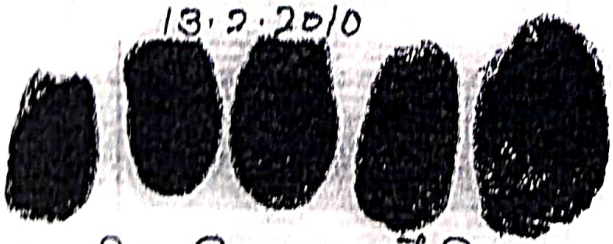

Attested by me
Md. [illegible]
Advocate
13/02/10

प्रमाणित किया जाता है कि जहाँगीर खाँ के बांये हाथ का पाँचो अंगुलियों का छाप मेरे द्वारा लिया गया है।
Md. [illegible]
Advocate
13/02/10

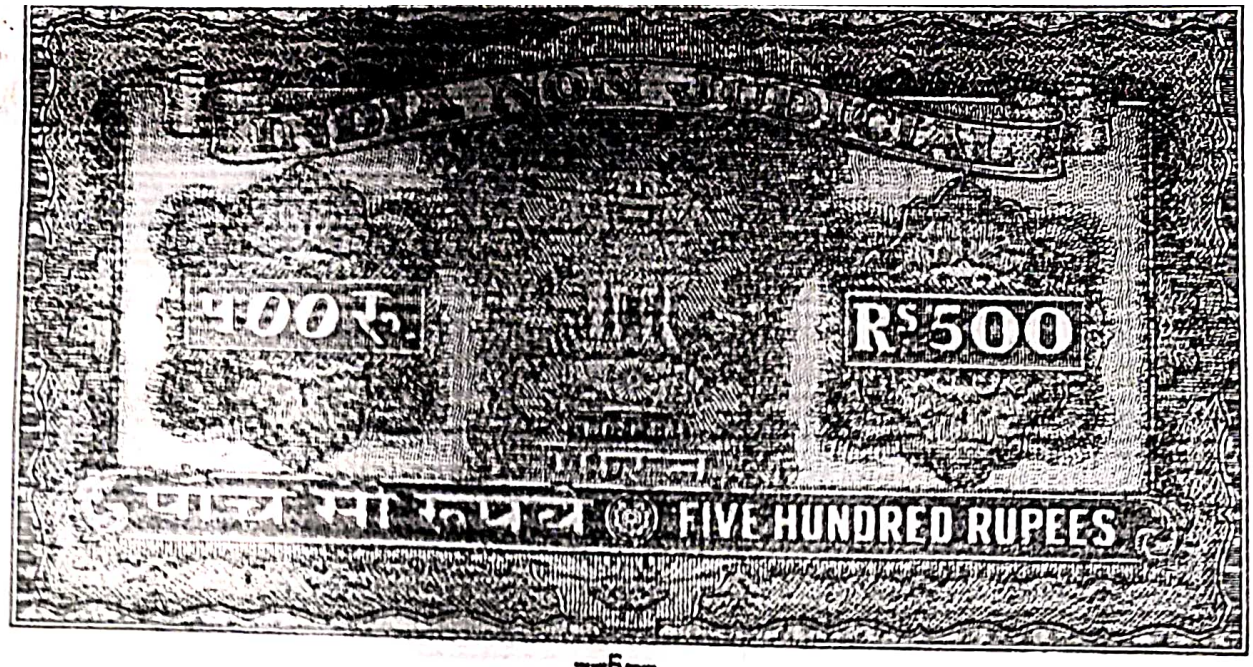

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- Md. (signature) Advocate 13/02/10

(प्रारूपकर्ता)
तारीख:-

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल छः पृष्ठों में कुल 568 शब्द टंकित है जो खण्डन रहित वो नक्शा सहित है ।

टंकक
मो० मकसूद
13-2-2010

मो0 मकसुद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।

याजे रहे कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के पृष्ठ संख्या 2 के लाइन नं0 16 के "नहीं है । पूर्णतः आवासीय है" का काटा गया सही है, द0 मो0 सी0 है ।

केयानि० जैबुन निशा
का.क.: रामबक्श सिंह
ता: 13.2.2010

केयानि० जैबुन निशा
का.क.: रामबक्श सिंह
ता: 13.2.2010

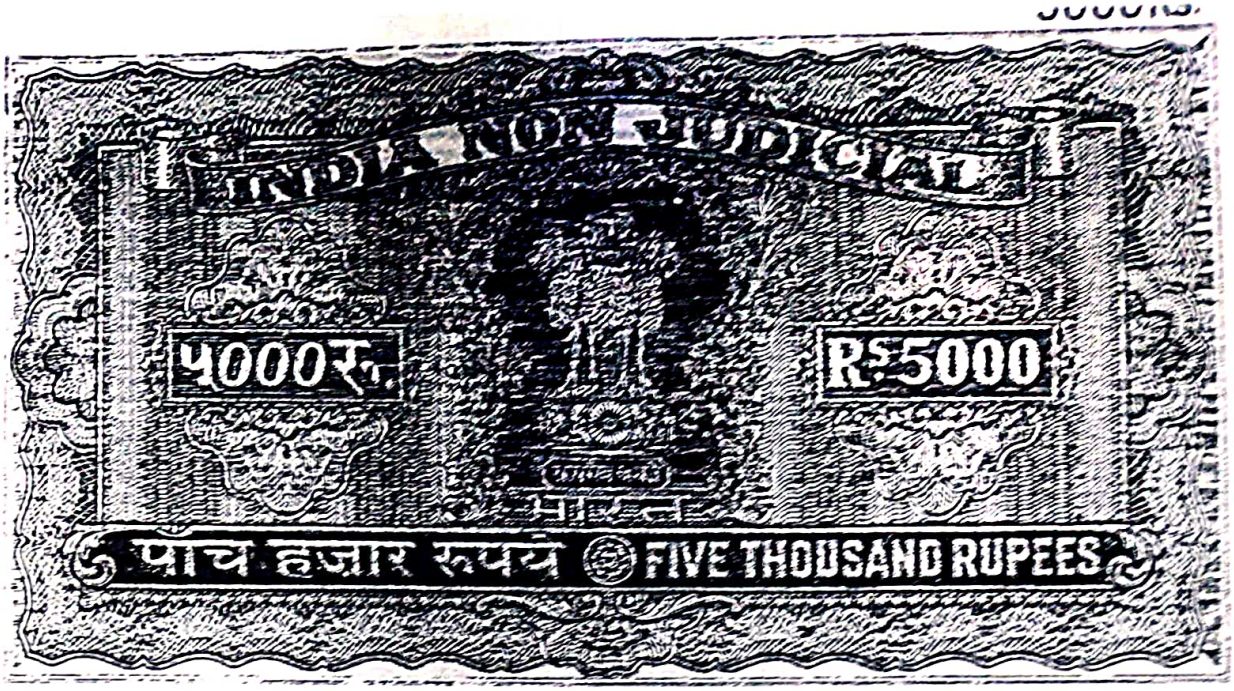

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु.

Rs.5000

पांच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

दि. 23.2.2010

100Rs.

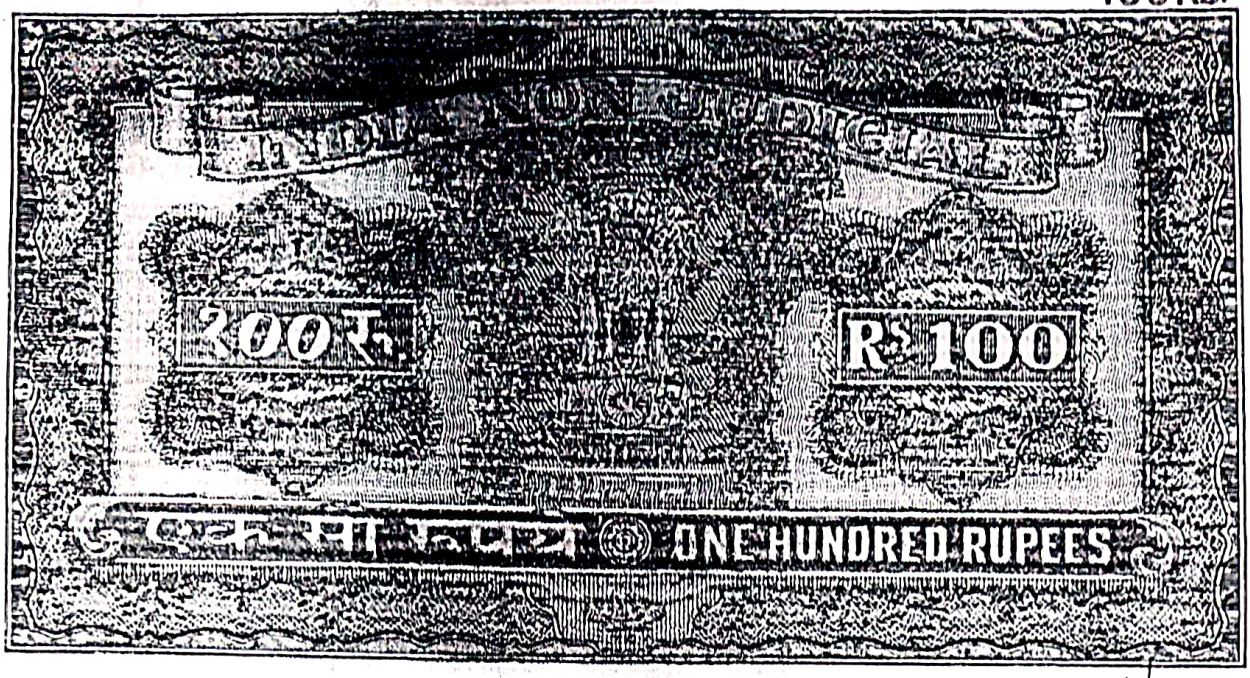

दि: 23.2.2010

'113

766 1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

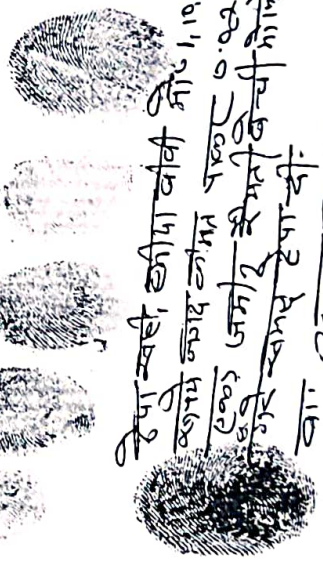

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

...... धारा ... अधिनियम एवं छोटानागपुर
काश्तकारी अधिनियम 1908 की धारा
......46 I R20...... के अधीन
तथा: भारतीय स्टाम्प अधिनियम
(इंडियन स्टाम्प एक्ट) 1899 की अनुसूची
1 क संख्या ...23 I A... के
अधीन यथावत स्टाम्प
सहित (या स्टाम्प शुल्क से मुक्त
...... प्रमाणित)

20.7.10

20.7-10

॥1॥ लेख्यकारिणी:- हमीदा बीबी, पति श्री मो० रसीद कोटवार, जाति- पठान, पेशा- कृषि, निवास ग्राम- सिमडेगा, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

...... बिक्रेतिका ।

शपथ-पत्र संख्या:- 524/2010

1000Rs.

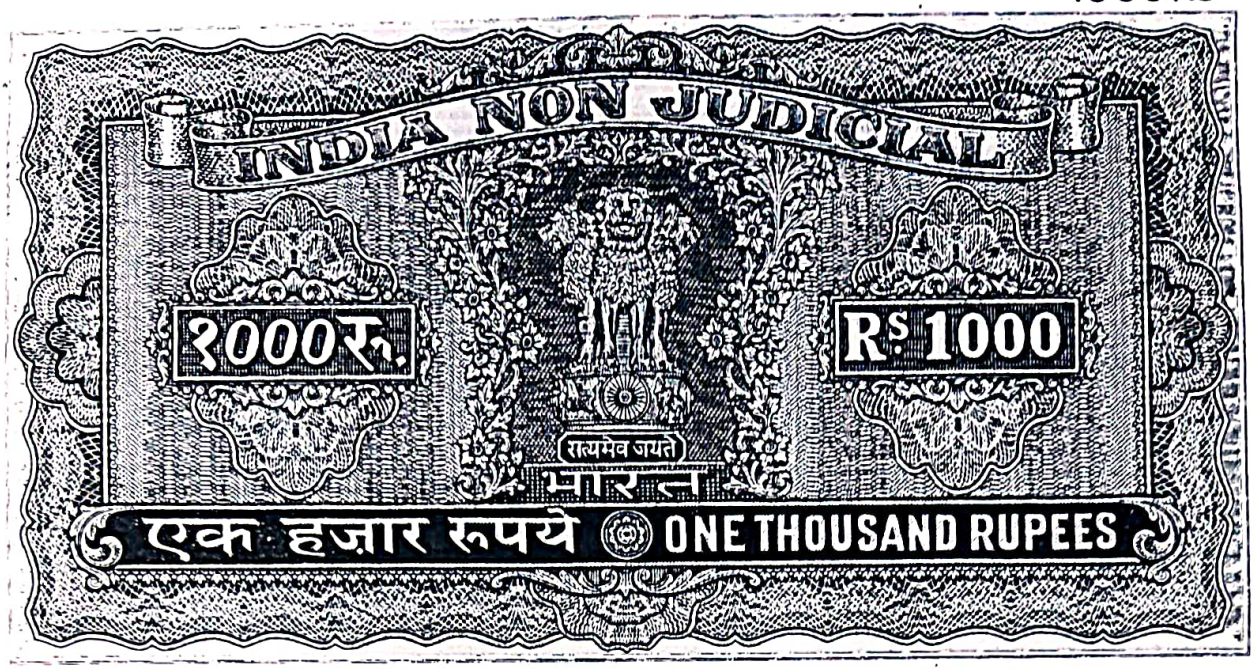

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

§2§ लेख्यधारी:- मो० जाकिर खान पिता स्व० हनीफ़ खान, जाति- पठान, पेशा- कृषि, निवास ग्राम- बसतपुर, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

भारतीय नागरिक क्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 525 | 2010

§3§ लेख्यप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिए होता है ।

§4§ मूल्य:- मोबलिग एक लाख दस हजार पाँच सौ रूपये अंके 1,10,500/- रूपये होता है ।

§5§ सम्पति:- एराजियात अन्दर मौजा- सिमडेगा खैरनटोली प० भाग, थाना- सिमडेगा, थाना नं0 116, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा के खाता नं0 30 §तीस§ प्लॉट नं0 1609 §सोलह सौ नौ§ रकबा 0·02 एकड़ §दो डिसमिल§ यह जमीन व्यवसायिक है जिसपर किसी प्रकार का मकान या निर्माण नही है ।

जिसकी चौहद्दी:-

उत्तर:- इसी प्लॉट का अंश नीज क्रेता का टांड़,

दक्षिण:- इसी प्लॉट का अंश नीज बिक्रेता का टांड़,

पूरब :- मेन रोड एन·एच·23,

1000Rs.

पश्चिम:- इसी प्लॉट का अंश दूसरा भाग टांड़ ।

मालगुजारी । पैसा (एक पैसा) अलावे सेस सलाना ।

(1) चूंकि मुझ लेख्यकारिणी को मकान बनाने एवं अन्य दीगर घरेलू खर्च के लिए रुपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे वगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेख्यधारी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रुपये देना स्वीकार किया ।

(2) इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेची और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

(3) मैं प्रतिज्ञा करती हूँ कि विक्रीत जमीन मेरी खरीदगी जमीन है जिसे मैंने केवाला संख्या 197/10 के द्वारा खरीदी हूँ । बाद खरीदगी के उक्त जमीन पर मेरा निर्विवाद हक दखल वो कब्जा है और किसी प्रकार का वाद या झगड़ा झंझट नहीं है ।

§4§ अब चाहिए कि लेख्यधारी अपनी जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझें अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

§5§ इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

100 Rs.

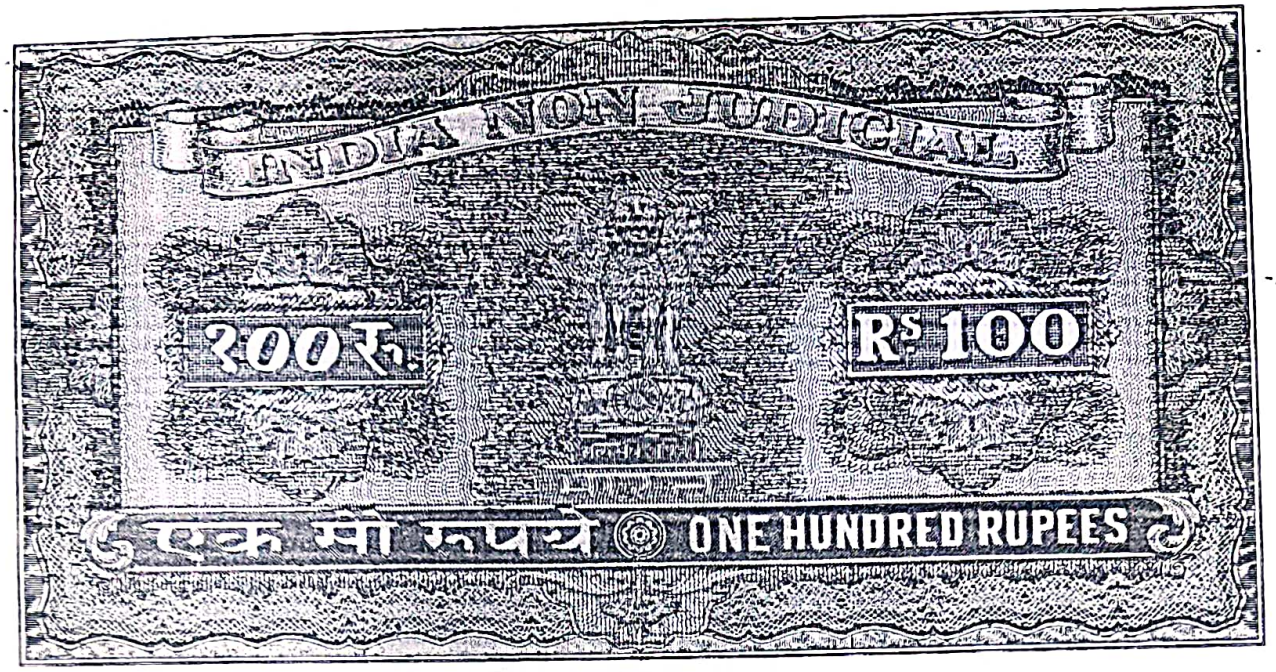

मै लेख्यकारिणी यह घोषणा करती हूँ कि विक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

हमीदा बीबी
वा: आनन्द प्रसाद
20.7.10

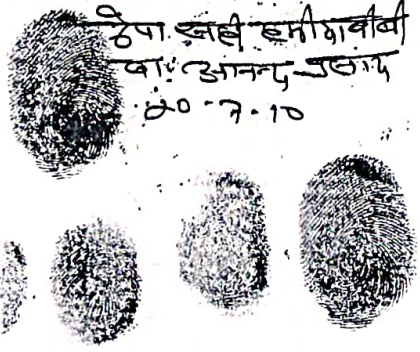

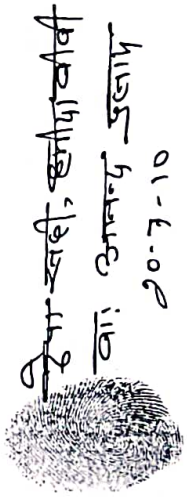

प्रमाणित किया जाता है कि हमीदा बीबी के बायें हाथ के पांचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

Suresh Prasad
Advo
20/7/10

--6--

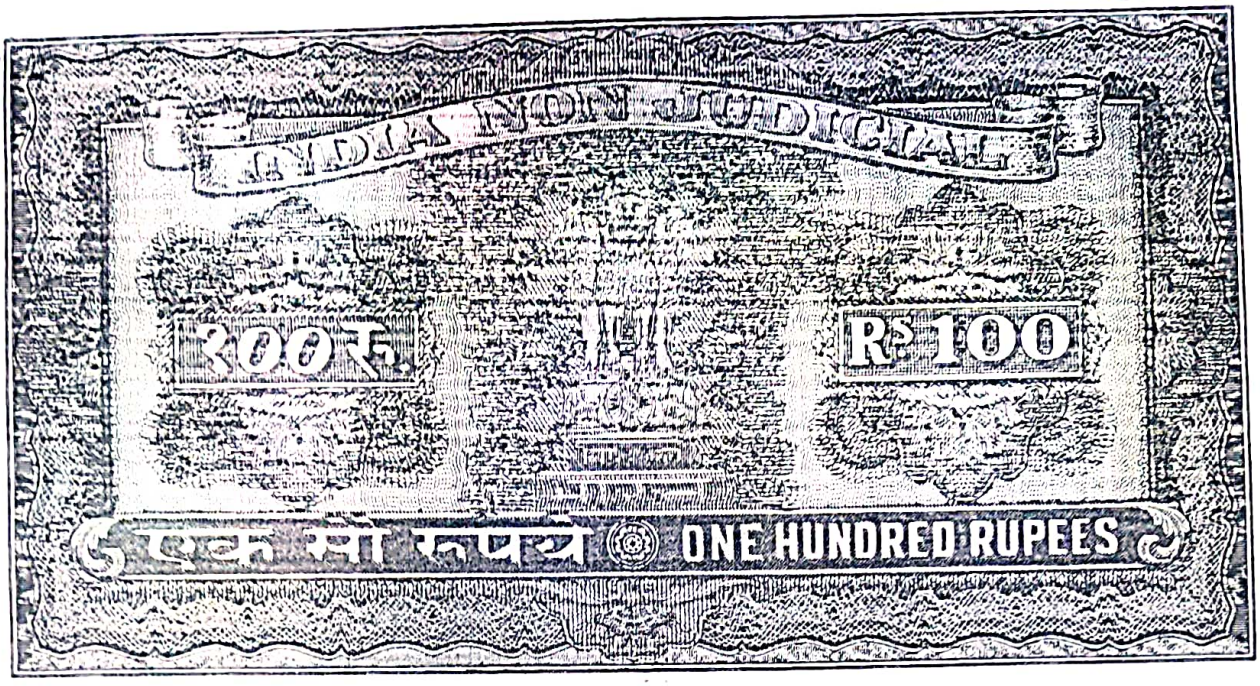

मैं लेख्यधारी यह घोषणा करता हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

मो० कादीर खान
20.7.10

प्रमाणित किया जाता है कि मो. कादिर खाने के बायें हाथ के पाँचो अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

Suman Prasad
20/7/10

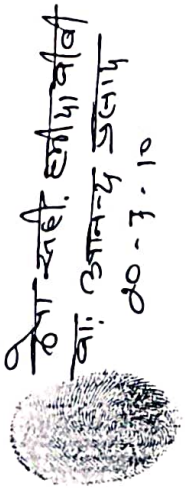

100Rs.

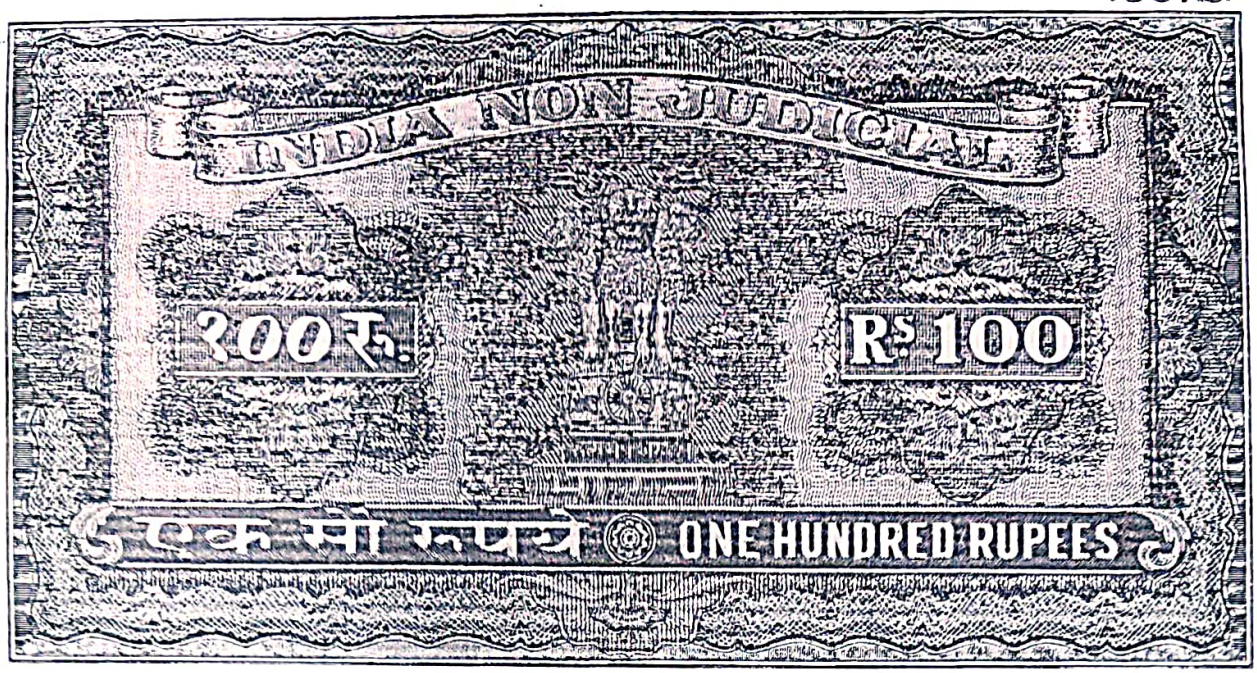

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- Suresh Anand
Adv

(प्रारूपकर्त्ता) 20/7/10
तारीख:-

100Rs.

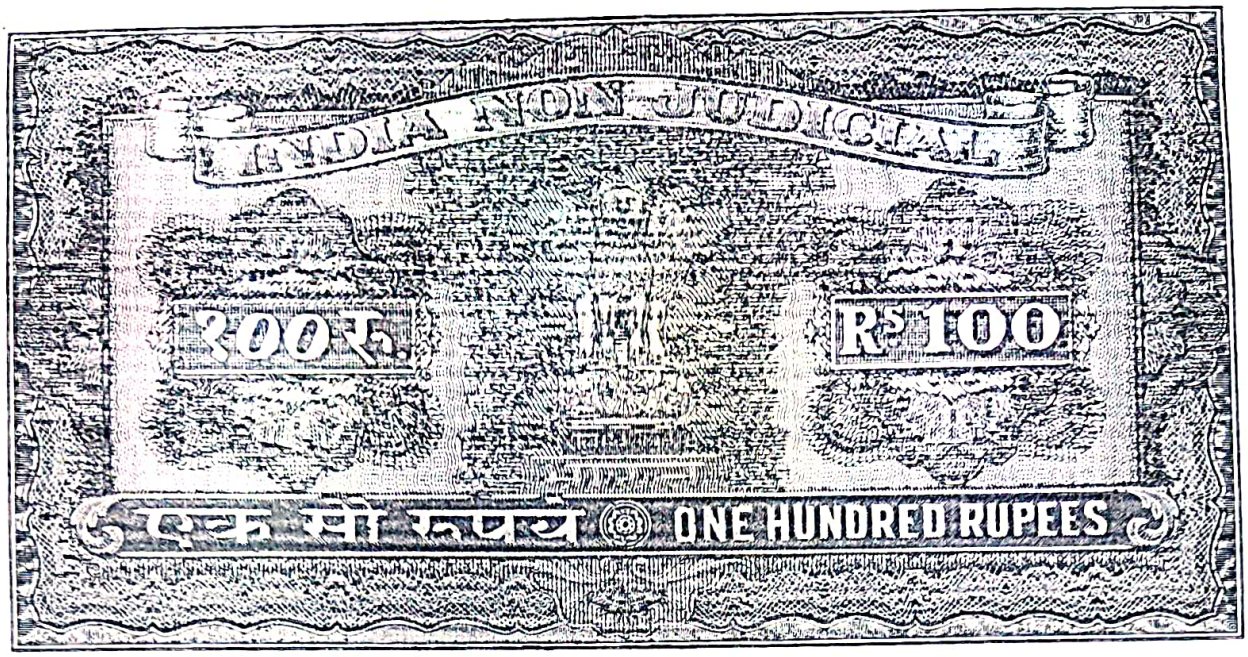

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल आठ पृष्ठों में कुल 548 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्सा सहित है एवं पृष्ठ संख्या 9 से 10 तक खाली है ।

टंकक
मो0 मकसूद
20.7.2010

मो0 मकसूद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।

20 Rs.

बीस रुपये

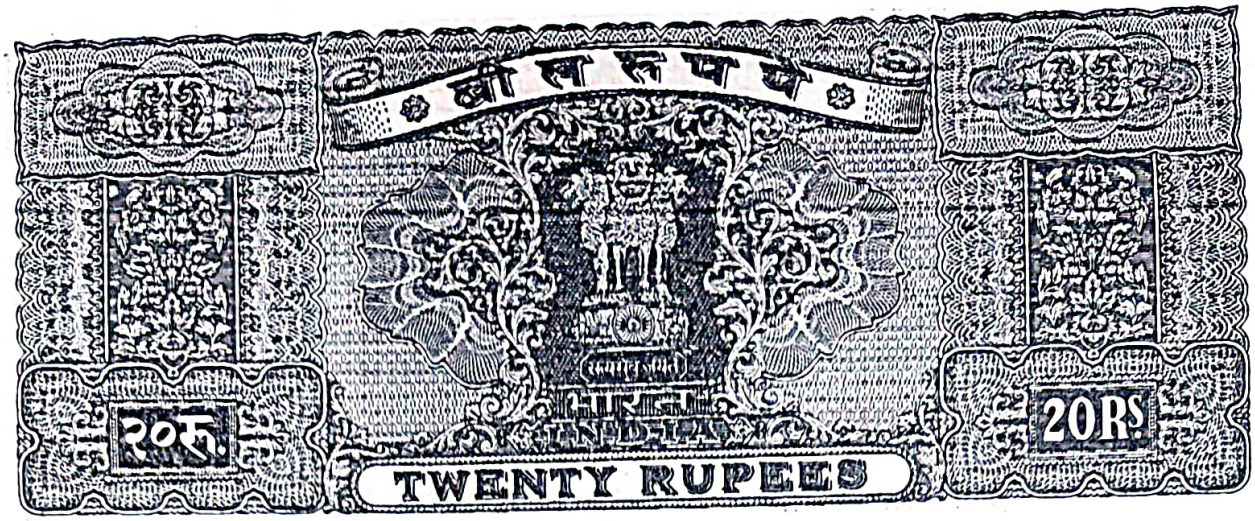

भारत INDIA

२०रु. 20Rs

TWENTY RUPEES

कु. रवी. सोयावती
बा: आनंद उबाळे
20-7-10

TWENTY RUPEES
20RS